Press & Media Updates Nov 2025

साहित्य, पत्रकारिता, संगीत व ओटीटी के सितारे एक प्लेटफॉर्म पर नजर आयेंगे- पद्म पुरस्कार प्राप्त विभूतियों और लेखकों को किया जायेगा सम्मानित

जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 20-21 दिसंबर को, जुटेंगी हस्तियां

जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल

प्रमुख संवाददाता, जमशेदपुर

जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल-2025 का आयोजन 20-21 दिसंबर को बिष्टुपुर स्थित होटल रमाडा में होगा. संभवतः यह पहला मौका होगा, जब जमशेदपुर में साहित्य, पत्रकारिता, संगीत और ओटीटी के सितारे एक ही प्लेटफॉर्म पर नजर आयेंगे. विद्यादीप फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिनों के लिटरेचर फेस्टिवल में 20 से अधिक सत्र, सांस्कृतिक संध्या, कविता-पाठ, युवा संवाद, बुक लॉन्च और सम्मान समारोह होगा. देश के विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियां, युवा नव प्रवर्तक और सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे. 20 दिसंबर की शाम सात बजे फेस्टिवल उद्घाटन होगा.

उद्घाटन सत्र में लेखकों को शब्द शिल्पी सम्मान से सम्मानित किया जायेगा. प्रत्येक चयनित लेखक को एक लाख की सम्मान राशि और स्मृति चिह्न भेंट की जायेगी. पुस्तकों के चयन में जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र, भवानंद झा, यूएन पाठक, गणेश मेहता, जयप्रकाश राय, ब्रजभूषण सिंह, उदित अग्रवाल और आयोजन समिति की ओर से संदीप मुरारका व संतोष खेतान निर्णायक की भूमिका में रहे. कार्यक्रम को सफल बनाने में संदीप मुरारका, नीरज पाठक, माधव खंडेलवाल, अजय भालोटिया, मंटू अग्रवाल, कमल किशोर अग्रवाल, आशीष गुप्ता, आकाश मोदी, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, रोहित अग्रवाल, लाला मुनका, राहुल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, मोहित चौधरी व अन्य सदस्य सक्रिय हैं.

ये सितारे होंगे शामिल

राहगीर | पंकज झा | सुनीता रजवार | राजेश जैस | अभिषेक चौबे

इन्हें मिलेगा शब्द शिल्पी सम्मान

नाम	पुस्तक
हरिवंश (नई दिल्ली)	झारखंड-एक चुनौती भी, अवसर भी
व्योमेश शुक्ल (वाराणसी)	आग और पानी
बाबुषा कोहली (जबलपुर)	लौ
डॉ अंजुम शर्मा (नई दिल्ली)	संगत यूट्यूब शृंखला के लिए
डॉ रवि दत्त बाजपेयी (रांची) व प्रो स्वाति पाराशर (स्वीडन)	कामिल बुल्के : रामकथा के जेसुइट प्रवक्ता
बी एल मित्तल (कोलकाता)	क्रैकिंग द मारवाड़ी कोड
डॉ मयंक मुरारी (रांची) व अचल प्रियदर्शी	ट्राइबल बेवहार्ट्स

क्या होगा खास

- उद्घाटन सत्र में इंडिया टुडे के सह संपादक डॉ अंजुम शर्मा से जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र डिजिटल साहित्य पर चर्चा करेंगे
- सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर पुणे से आ रहे साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित हिंदी साहित्यकार डॉ दामोदर खड़से से केंद्र सरकार के राजस्व विभाग की कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी निधि कुमार झा वार्ता करेंगी

पद्म अलंकृत विभूतियों का होगा सम्मान

हरिवंश

पद्म सम्मान प्राप्त विभूतियों को राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश सम्मानित करेंगे. इनमें राजस्थान की पद्मश्री गुलाबो सपेरा, भोपाल के भज्जू श्याम, राजस्थान के लक्ष्मण सिंह व सुंडाराम वर्मा, उत्तराखंड के अनिल प्रकाश जोशी, ओडिशा की डॉ दमयंती बेसरा, झारखंड से जमुना टुडू, चामी मुर्मू, जानुम सिंह सोय, प्रेमलता अग्रवाल, दीपिका कुमारी और छुटनी देवी हैं.

डॉ दिनेश को मिलेगा विद्यादीप जल-संस्कृति सम्मान : नदी पारिस्थितिकी एवं पर्यावरणीय साहित्य में असाधारण योगदान हेतु वरिष्ठ पर्यावरणविद डॉ दिनेश कुमार मिश्र को 'विद्यादीप जल-संस्कृति सम्मान' प्रदान किया जायेगा.

डॉ मयंक मुरारी को मिलेगा शब्द शिल्प सम्मान : डॉ मयंक मुरारी को जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल में "शब्द शिल्प सम्मान" से सम्मानित किया जाएगा. डॉ मयंक मुरारी अपने सार्वजनिक जीवन में 20 किताब और 700 से अधिक आलेख लिख चुके हैं.

प्रभात खबर Saturday, November 1, 2025
Jamshedpur-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/69051c5bc17cc9913a7b9934

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com
अपना जमशेदपुर

साहित्य, संगीत और ओटीटी के सितारों का 20 से होगा जुटान

- बिष्टुपुर में 20 और 21 दिसंबर को होगा जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025
- देश भर से 100 से अधिक लेखक, विचारक पद्म अलंकृत विभूतियां भाग लेंगे
- 21 दिसंबर की संध्या में पद्मश्री गुलाबो सपेरा टीम की कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति होगी

जमशेदपुर, प्रमुख संवाददाता। झारखंड की सांस्कृतिक राजधानी जमशेदपुर इस सर्द दिसंबर में शब्दों, सुरों और विचारों का संगम बनने जा रही है। विद्यादीप फाउंडेशन की ओर से जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 का आयोजन 20 और 21 दिसंबर को बिष्टुपुर में होगा। शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई।

यह महोत्सव झारखंड की साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भव्य उत्सव बनेगा। यह आयोजन केवल शब्दों का नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और सृजन का संगम होगा, जहां साहित्यकार, चिंतक, पत्रकार, कलाकार और समाजसेवी मिलकर नए भारत की नई विचारधारा को अभिव्यक्त करेंगे। दो दिवसीय महोत्सव में देश के विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियां, युवा नव प्रवर्तक एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे। पहले दिन 20 दिसंबर को लोकगायक राहगीर अपनी प्रस्तुति देंगे। उनका लोकप्रिय गीत कच्चा घड़ा हूं मैं जमशेदपुर की ठंडी शाम को रूमानी बना देगा। दूसरे दिन 21 दिसंबर की संध्या में पद्मश्री गुलाबो सपेरा एंड टीम की कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति होगी।

पंचायत वेब सीरीज के विधायक जी भी आएंगे

जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल में लोकप्रिय पंचायत वेब सीरीज के विधायक पंकज झा, फिल्म अभिनेता राजेश जैस, बिट्टू की मम्मी के रूप में ख्याति प्राप्त करने वाली अभिनेत्री सुनीता राजवार और प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अभिषेक चौबे विशेष सत्र में विशेष रूप से शामिल होंगे। यहां कार्यक्रम के दौरान रंगमंच विशेषज्ञ डॉ. एमके पांडेय उनसे संवाद करेंगे।

कार्यक्रम में लेखकों को मिलेगा शब्द शिल्पी सम्मान

उद्घाटन सत्र में उन लेखकों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी है। प्रत्येक चयनित लेखक को 1,00,000 की सम्मान राशि एवं स्मृति चिह्न भेंट किया जाएगा। हिंदी श्रेणी में सम्मानित होने वालों में हरिवंश (नई दिल्ली) को पुस्तक झारखंड एक चुनौती भी, अवसर भी के लिए, व्योमेश शुक्ल (वाराणसी) को पुस्तक आग और पानी के लिए, बाबुषा कोहली (जबलपुर) को पुस्तक लौ के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह डिजिटल साहित्य के लिए डॉ. अंजुम शर्मा (नई दिल्ली) को संगत यूट्यूब शृंखला के लिए, अंग्रेजी श्रेणी में डॉ. रवि दत्त बाजपेयी (रांची) एवं प्रो. स्वाति पाराशर (स्वीडन), बीएल मित्तल (कोलकाता), डॉ. मयंक मुरारी (रांची) एवं अचल प्रियदर्शी को सम्मानित किया जाएगा। पुस्तकों के चयन में वरिष्ठ पत्रकार गणेश मेहता, संजय मिश्र, भवानंद झा, यूएन पाठक, जयप्रकाश राय, ब्रजभूषण सिंह, उदित अग्रवाल एवं आयोजन समिति की ओर से संदीप मुरारका एवं संतोष खेतान निर्णायक की भूमिका में रहे।

पद्म अलंकृत विभूतियों का किया जाएगा सम्मान

राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश द्वारा समारोह में उन विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, जिनको पद्म सम्मान प्राप्त हुए हैं। इनमें भोपाल के भज्जू श्याम, राजस्थान के लक्ष्मण सिंह, सुंडाराम वर्मा, उत्तराखंड के अनिल प्रकाश जोशी, ओडिशा की डॉ. दमयंती बेसरा, झारखंड से जमुना टुडू, चामी मुर्मू, जानुम सिंह सोय, प्रेमलता अग्रवाल, दीपिका कुमारी एवं छुटनी देवी शामिल हैं।

दैनिक भास्कर
जमशेदपुर 01-11-2025

सम्मान समारोह • साहित्य, पत्रकारिता, संगीत और ओटीटी के सितारे उतरेंगे जमशेदपुर की धरा पर, विभिन्न प्रांतों के 100 से अधिक लेखक व विचारक

जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 20-21 दिसंबर को, प्रसिद्ध साहित्यकारों का होगा सम्मान

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

विद्यादीप फाउंडेशन की ओर से 20 व 21 दिसंबर को होटल रमाडा (बिष्टुपुर) में जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल-2025 का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियां, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस दौरान 20 से अधिक सत्रों, सांस्कृतिक संध्याओं, कविता-पाठ, युवा संवाद, बुक लॉन्च और सम्मान समारोह आयोजित होंगे।

फेस्टिवल का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पर्यटन, कला-संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, पेयजल व स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता और उद्योगपति संतोष खेतान शामिल होंगे। फेस्टिवल में भारतीय साहित्य को नई दिशा देने वाले साहित्यकारों को एक लाख की सम्मान राशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए जाएंगे। पुस्तकों के चयन में निर्णायक की भूमिका में वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र, कुमार भवानंद, यूएन पाठक, गणेश मेहता, जयप्रकाश राय, ब्रजभूषण सिंह, उदित अग्रवाल, आयोजन समिति की ओर से संदीप मुरारका व संतोष खेतान रहे।

ये सम्मानित होंगे

हिंदी श्रेणी में

- **हरिवंश (नई दिल्ली)** - पुस्तक : 'झारखंड-एक चुनौती भी, अवसर भी'
- **व्योमेश शुक्ल (वाराणसी)** - पुस्तक : 'आग और पानी' बाबुषा कोहली (जबलपुर)- पुस्तक : 'लौ'
- **डॉ अंजुम शर्मा** (नई दिल्ली) - यू-ट्यूब सीरीज 'संगत' के लिए।

अंग्रेजी श्रेणी में

- **डॉ रवि दत्त बाजपेयी (रांची) व प्रो. स्वाति पराशर (स्वीडन)** - 'कामिल बुल्के : रामकथा के जेसुइट प्रवक्ता'
- **बीएल मित्तल (कोलकाता)** - 'क्रैकिंग द मारवाड़ी कोड'
- **डॉ मयंक मुरारी (रांची) व अचल प्रियदर्शी** - 'ट्राइबल ब्रेवहार्ट्स'

पहले दिन सत्रों को ये करेंगे संबोधित

इंडिया टुडे के सह संपादक डॉ अंजुम शर्मा से जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र डिजिटल साहित्य पर चर्चा करेंगे। सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर आयोजित सत्र में पुणे के हिंदी साहित्यकार डॉ दामोदर खड़से से निधि कुमार झा वार्ता करेंगी। आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट कमलेश कमल और छत्तीसगढ़ के डीएसपी अभिषेक सिंह नीरज से एनके झा संवाद करेंगे। इसके साथ ही दो धारदार व्यंग्यकार एक साथ मंच पर होंगे। व्यंग्य यात्रा के संपादक डॉ प्रेम जन्मेजय एवं इंदौर से साइबनामा के लेखक मुकेश नेमा से मोटिवेशनल स्पीकर डॉ पंखुरी वक्त जोशी बात करेंगी। पूर्वोत्तर राज्यों से आ रहे कलमकारों मोजुम लोयी, डॉ तादाम रुती एवं मिलन रानी जमातिया से हिंदी और पूर्वोत्तर की भाषाओं में भिन्नता और एकता पर संवाद होगा। सिंगापुर के अप्रवासी लेखक विनोद दुबे से व्यापार, निवेश और परंपरा पर सस्ता सुंदर (कोलकाता) के एमडी बनवारी लाल मित्तल वार्ता करेंगे। मुंबई की फिल्मी दुनिया से कलाकार राजेश जैस और दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म की डॉ भारती गोरे से आईटीएम युनिवर्सिटी (ग्वालियर) के डॉ मनीष जैसल चर्चा करेंगे। कैनवास पर मनीष पुष्कले और पद्मश्री भज्जू श्याम के साथ खवावरी के संस्थापक वैभवमणि त्रिपाठी चर्चा करेंगे। इसके साथ ही पुस्तक झारखंड चुनौती भी-अवसर भी के लिए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह के उपरांत वरिष्ठ पत्रकार हरिवंश अपनी पत्रकारिता, जनसेवा और सांसद जीवन के अनुभव साझा करेंगे।

इन पद्म अलंकृत विभूतियों का भी होगा सम्मान

भोपाल के भज्जू श्याम, राजस्थान के लक्ष्मण सिंह, सुंडाराम वर्मा, उत्तराखंड के अनिल प्रकाश जोशी, ओडिशा की डॉ दमयंती बेसरा, झारखंड से जमुना टुडू, चामी मुर्मू, जानुम सिंह सोय, प्रेमलता अग्रवाल, दीपिका कुमारी व छुटनी देवी।

परिचर्चा से होगी दूसरे दिन की शुरुआत

फेस्टिवल के दूसरे दिन की शुरुआत परिचर्चा से होगी। इसमें शशि कुमार झा अव्यक्त एवं अभिषेक रंजन सिंह भाग लेंगे। पर्यावरण के मुद्दे पर यूपी के डॉ शिवओम सिंह चर्चा करेंगे। इस सत्र में बतौर वक्ता उत्तराखंड से पद्मभूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी, राजस्थान से पद्मश्री सुंडाराम वर्मा व पद्मश्री लक्ष्मण सिंह भाग लेंगे। दर्शन जैसे गंभीर विषय पर दार्शनिक आचार्य डॉ अरुण प्रकाश से आध्यात्मिक लेखक मयंक मुरारी वार्ता करेंगे। पत्रकारिता के बदलते मायने पर भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली के प्रो. गोविंद सिंह एवं एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन से संजय कृष्णा वार्तालाप करेंगे। कार्टून की ताकत पर नई दिल्ली से मनोज सिन्हा और मुंबई से सुखवंत से रांची की कलमकार रश्मि शर्मा बात करेंगी। हिंदी कविता और गजल पर इंदौर के अंबर पांडेय एवं ग्वालियर के मदन मोहन दानिश अपने उदगार व्यक्त करेंगे। धर्म राष्ट्र और साहित्य जैसे विषय पर दिल्ली युनिवर्सिटी के प्रो. रंजन त्रिपाठी अपनी बात रखेंगे। आदिवासी संघर्ष और झारखंड पर रविशंकर एवं वरिष्ठ पत्रकार अनुज सिन्हा अपने विचार साझा करेंगे।

पर्यावरण उत्कृष्टता सम्मान

नदी पारिस्थितिकी एवं पर्यावरणीय साहित्य में असाधारण योगदान के लिए वरिष्ठ पर्यावरणविद् डॉ डीके मिश्र को विद्यादीप जल-संस्कृति सम्मान प्रदान किया जाएगा। जल-थल-मल के लेखक सोपान जोशी सभ्यता और पर्यावरण के अंतर्संबंधों पर सत्र लेंगे। इसमें रांची के वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि कात्यायन भी वक्ता होंगे। दिव्य प्रकाश दुबे हिंदीनामा के संस्थापक अंकुश कुमार सिंह से कहानी कहने की कला पर बात करेंगे। राजस्थान की नृत्यांगना पद्मश्री गुलाबो सपेरा व उनकी टीम के कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति के साथ फेस्टिवल का समापन होगा। आयोजन को सफल बनाने में संदीप मुरारका, नीरज पाठक, माधव खंडेलवाल, अजय भालोटिया, मंटू अग्रवाल, कमल किशोर अग्रवाल, आरती, आकाश मोदी, अभिषेक, रोहित आदि सक्रिय हैं।

साहित्य महोत्सव में जुटेंगे हरिवंश और पंचायत वेब सीरीज वाले विधायक जी

जासं, जमशेदपुर : लौहनगरी जमशेदपुर में साहित्य, पत्रकारिता, संगीत और सिनेमा के प्रमुख सितारों का भव्य महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। विद्यादीप फाउंडेशन द्वारा 20 और 21 दिसंबर को बिष्टुपुर स्थित होटल रमाडा में जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पंचायत फेम पंकज झा, निर्देशक अभिषेक चौबे और पद्मश्री गुलाबो सपेरा जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।इस दो दिवसीय महोत्सव में 20 से अधिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर से 100 से अधिक लेखक, चिंतक और कलाकार भाग लेंगे। उद्घाटन सत्र में राज्यसभा उपसभापति हरिवंश, व्योमेश शुक्ल समेत कई लेखकों को उनकी कृतियों के लिए एक-एक लाख रुपये के शब्द शिल्पी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही, पद्म पुरस्कार प्राप्त जमुना टुडू, चामी मुर्मू, छुटनी देवी जैसी विभूतियों को भी सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी होगा, जिसमें लोकगायक राहगीर अपनी प्रस्तुति देंगे, जबकि समापन पर पद्मश्री गुलाबो सपेरा अपनी टीम के साथ कालबेलिया नृत्य प्रस्तुत करेंगी। सिनेमा और ओटीटी पर एक विशेष सत्र में पंचायत वेब सीरीज के विधायक जी पंकज झा, निर्देशक अभिषेक चौबे और अभिनेत्री सुनीता राजवार अपने अनुभव साझा करेंगे। महोत्सव में पत्रकारिता, पर्यावरण, दर्शन और आदिवासी संघर्ष जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा होगी।

20-21 दिसंबर को 'जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025' साहित्य पत्रकारिता, संगीत और ओटीटी के सितारे उतरेंगे लौहनगरी की धरा पर

देश के विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियाँ, युवा नवप्रवर्तक एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे

जमशेदपुर, 30 अक्टूबर: झारखंड की सांस्कृतिक राजधानी जमशेदपुर इस सर्द दिसंबर में शब्दों, सुरों और विचारों का संगम बनने जा रही है. विद्यादीप फाउंडेशन द्वारा आयोजित जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 आगामी 20 और 21 दिसंबर को होटल रमाडा, बिस्टुपुर में संपन्न होगा.

यह महोत्सव झारखंड प्रदेश की साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भव्य उत्सव बनने जा रहा है. यह आयोजन केवल शब्दों का नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और सृजन का संगम होगा — जहाँ साहित्यकार, चिंतक, पत्रकार, कलाकार और समाजसेवी मिलकर नए भारत की नई विचारधारा को अभिव्यक्त करेंगे.

साहित्य से समाज तक - विविधता में एकता का उत्सव: इस दो दिवसीय महोत्सव में देश के विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियाँ, युवा नवप्रवर्तक एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे.

लगभग 20 से अधिक सत्रों, सांस्कृतिक संध्याओं, कविता-पाठ, युवा संवाद, बुक लॉन्च और सम्मान समारोहों के साथ यह आयोजन स्मरणीय बन जाएगा.सांस्कृतिक संध्या में संगीत और नृत्य का जादूपहले दिन 20 दिसंबर को संध्या 7 बजे से देश के विख्यात लोकगायक राहगीर अपनी हृदयस्पर्शी प्रस्तुति देंगे.

उनका लोकप्रिय गीत कच्चा घड़ा हूँ मैं जमशेदपुर की ठंडी शाम को रूमानी बना देगा.

दूसरे दिन 21 दिसंबर की संध्या में पद्मश्री गुलाबो सपेरा एंड टीम की कालबेलिया नृत्य प्रस्तुति होगी.

लेखकों को मिलेगा 'शब्द शिल्पी सम्मान': उद्घाटन सत्र में उन लेखकों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी है. प्रत्येक चयनित लेखक को ₹1,00,000 की सम्मान राशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया जाएगा।

हिंदी श्रेणी में सम्मानित होंगे —

हरिवंश (नई दिल्ली) - पुस्तक- झारखंड — एक चुनौती भी, अवसर भी

व्योमेश शुक्ल (वाराणसी) - पुस्तक- आग और पानी

वाचुषा कोहली (जबलपुर) - पुस्तक- ली

डिजिटल साहित्य हेतु -

डॉ. अंजुम शर्मा (नई दिल्ली)- 'संगत' यूट्यूब शृंखला के लिए

अंग्रेजी श्रेणी में —

डॉ. रवि दत्त बाजपेयी (रांची) एवं प्रो. स्वाति पाराशर (स्वीडन) - कामिल

बुल्के - रामकथा के जेसुइट प्रवक्ता बी. एल. मित्तल (कोलकाता) - क्रैकिंग द मारवाड़ी कोड

डॉ. मयंक मुरारी (रांची) एवं अचल प्रियदर्शी ट्राइबल ब्रेवहार्ट्स

पुस्तकों के चयन में जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र, भवानंद झा, यू. एन. पाठक, गणेश मेहता, जयप्रकाश राय, ब्रजभूषण सिंह, उदित अग्रवाल एवं आयोजन समिति की ओर से संदीप मुरारका एवं संतोष खेतान निर्णायक की भूमिका में रहे.

प्रथम दिवस 20 दिसंबर के सत्रों के वक्ता होंगे: इंडिया टुडे के सह संपादक डॉ. अंजुम शर्मा से जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र डिजिटल साहित्य पर चर्चा करेंगे. सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर आयोजित सत्र में पुणे से आ रहे साहित्य अकादमी सम्मानित विख्यात हिंदी साहित्यकार डॉ. दामोदर खड़से से केंद्र सरकार के राजस्व विभाग के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी निधि कुमार झा वार्ता करेंगे.

दो धारदार व्यंग्यकार एक साथ मंच पर होंगे : व्यंग्य यात्रा के संपादक डॉ. प्रेम जनमेजय एवं इंदौर से साहबनामा के लेखक मुकेश नेमा, जिनसे मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. पांखुरी वक्त जोशी बात करेंगी. पूर्वोत्तर राज्यों से आ रहे कलमकारों मौर्जुम लोयी, डॉ तादाम रुती एवं मिलन रानी जमातिया से हिंदी और पूर्वोत्तर की भाषाओं में भिन्नता और एकता पर संवाद होगा. सिंगापुर में रहने वाले अप्रवासी लेखक विनोद दूबे व्यापार, निवेश और परंपरा पर कोलकाता सस्ता सुंदर के प्रबंध निदेशक बनवारी लाल मित्तल के साथ वार्तालाप करेंगे.

मुंबई फिल्मी दुनिया से कलाकार राजेश जैस और दिल्ली स्कूल ऑफ पत्रकारिता की डॉ भारती गोरे से ग्वालियर आईटीएम यूनिवर्सिटी के डॉ मनीष जैसल चर्चा करेंगे. कैनवास पर बात करेंगे देश के महान चित्रकार मनीष पुष्कले और पद्मश्री भज्जू श्याम के साथ यायावरी के संस्थापक वैभव मणि त्रिपाठी.

संध्या 6 बजे चर्चित पुस्तक झारखंड चुनौती भी, अवसर भी के लिए राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश को सम्मानित किया जाएगा. सम्मान समारोह के उपरांत वरिष्ठ पत्रकार हरिवंश अपने पत्रकारिता, जनसेवा और संसद जीवन के अनुभव साझा करेंगे.

पद्म अलंकृत विभूतियों का होगा सम्मान: राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश के करकमलों से ो पद्म सम्मान प्राप्त भोपाल के भज्जू श्याम, राजस्थान के लक्ष्मण सिंह, सुंडाराम वर्मा, उत्तराखंड के अनिल प्रकाश जोशी, ओड़िशा की डॉ. दमयंती बेसरा, झारखंड से जमुना टुडू, चामी मुर्मू, जानुम सिंह सोय, प्रेमलता अग्रवाल, दीपिका कुमारी एवं छुटनी देवी को सम्मानित किया जाएगा।

दूसरे दिन की प्रमुख सत्र-श्रृंखला: दूसरे दिन की शुरुआत गांधी, अम्बेडकर और लोहिया से होगी. जिस परिचर्चा में शशि कुमार झा अध्यक्ष एवं अभिषेक रंजन सिंह भाग लेंगे. उसके बाद पर्यावरण के मुद्दे पर जल जंगल जमीन की चर्चा करेंगे उत्तर प्रदेश के पर्यावरण निदेशालय के विशेषज्ञ डॉ शिव ओम सिंह, इस सत्र के वक्ता के रूप में उत्तराखंड से पद्म भूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी, राजस्थान से पद्मश्री सुंडा राम वर्मा एवं पद्मश्री लक्ष्मण सिंह भाग लेंगे. दर्शन जैसे गंभीर विषय पर नई दिल्ली के प्रख्यात दार्शनिक आचार्य डॉ अरूण प्रकाश से आध्यात्मिक लेखक मयंक मुरारी वार्ता करेंगे.

पत्रकारिता के बदलते मायने पर भारतीय जन संचार संस्थान नई दिल्ली के प्रो. गोविंद सिंह एवं एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन से संजय कृष्ण वार्तालाप करेंगे. कार्टून की ताकत पर नई दिल्ली से मनोज सिन्हा और मुंबई से सुखवंत से रांची की कलमकार रश्मि शर्मा बात करेंगी.

हिंदी कविता और गजल पर इंदौर के अंबर पांडेय एवं ग्वालियर के मदन मोहन दानिश अपने उदगार व्यक्त करेंगे. धर्म राष्ट्र और साहित्य जैसे गंभीर विषय पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के डीन एवं विद्वान प्रोफेसर रंजन त्रिपाठी को हम सुनेंगे. आदिवासी संघर्ष और झारखंड पर सभ्यता अध्ययन केंद्र नई दिल्ली के रविशंकर एवं वरिष्ठ पत्रकार अनुज सिन्हा अपने विचार साझा करेंगे.

ओटीटी और सिनेमा जगत के सितारे भी शामिल: लोकप्रिय 'पंचायत' वेब सीरीज के विधायक जी पंकज झा, फिल्म अभिनेता राजेश जैस, विट्टू की मम्मी के रूप में ख्याति प्राप्त करने वाली अभिनेत्री सुनीता राजवार और प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अभिषेक चौबे विशेष सत्र में भाग लेंगे, जहाँ रंगमंच विशेषज्ञ डॉ. एम. के. पांडेय उनसे संवाद करेंगे।

पर्यावरण उत्कृष्टता सम्मान: नदी पारिस्थितिकी एवं पर्यावरणीय साहित्य में असाधारण योगदान हेतु वरिष्ठ पर्यावरणविद् डॉ. दिनेश कुमार मिश्र को विद्यादीप जल-संस्कृति सम्मान खूंटी के भूतपूर्व सैनिक और जनसेवी सोमा मुंडा के करकमलों से दिया जाएगा.

जल थल मल के लेखक सह पत्रकार सोपान जोशी सभ्यता और पर्यावरण के अंतर्संबंधों पर सत्र लेंगे, जिसमें रांची के वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि कात्यायन भी वक्ता होंगी. सत्रों के बीच देश के विख्यात लेखक दिव्य प्रकाश दूबे हिंदीनामा के संस्थापक अंकुश कुमार सिंह से कहानी कहने की कला पर बात करेंगे.

कालबेलिया नृत्य के संग होगा समापन: राजस्थान की विश्वविख्यात नृत्यांगना पद्मश्री गुलाबो सपेरा अपनी टीम के साथ कालबेलिया नृत्य की सम्मोहक प्रस्तुति देंगी. इसी मोहक प्रस्तुति के साथ जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 का भव्य समापन होगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में संदीप मुरारका, नीरज पाठक, माधव खंडेलवाल, अजय भालोटिया, मंटू अग्रवाल, कमल किशोर अग्रवाल, आशीष गुप्ता, आकाश मोदी, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, रोहित अग्रवाल, लाला मूनका, राहुल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, मोहित चौधरी इत्यादि सदस्य सक्रिय हैं.

साहित्य, संगीत और ओटीटी के सितारों का जमशेदपुर में होगा जुटान

20-21 दिसंबर को बिष्टूपुर में होगा 'जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025'

जमशेदपुर : झारखंड की सांस्कृतिक राजधानी जमशेदपुर इस सर्द दिसंबर में शब्दों, सुरों और विचारों का संगम बनने जा रही है. विद्यादीप फाउंडेशन द्वारा आयोजित जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 आगामी 20 और 21 दिसंबर को बिष्टूपुर में होने जा रहा है. यह महोत्सव झारखंड प्रदेश की साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भव्य उत्सव बनने जा रहा है. यह आयोजन केवल शब्दों का नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और सृजन का संगम होगा जहां साहित्यकार, चिंतक, पत्रकार, कलाकार और समाजसेवी मिलकर नए भारत की नई विचारधारा को अभिव्यक्त करेंगे. दो दिवसीय इस महोत्सव में देश के विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियां, युवा नवप्रवर्तक एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे. पहले दिन 20 दिसंबर को लोकगायक राहगीर अपनी प्रस्तुति देंगे. उनका लोकप्रिय गीत ꠰कच्चा घड़ा हूँ मैं꠰ जमशेदपुर की ठंडी शाम को रूमानी बना देगा.

दूसरे दिन 21 दिसंबर की संध्या में पद्मश्री गुलाबो सपेरा एंड टीम की कालबेलिया नृत्य प्रस्तुति होगी.

लेखकों को मिलेगा 'शब्द शिल्पी सम्मान

उद्घाटन सत्र में उन लेखकों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी है. प्रत्येक चयनित लेखक को ?1,00,000 की सम्मान राशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया जाएगा. हिंदी श्रेणी में सम्मानित होने वालो में हरिवंश (नई दिल्ली) को पुस्तक : झारखंड एक चुनौती भी, अवसर भी के लिए, व्योमेश शुक्ल (वाराणसी) को पुस्तक आग और पानी के लिए बाबुषा कोहली (जबलपुर) को पुस्तक लौ के लिए सम्मानित किया जाएगा. इसी तरह डिजिटल साहित्य हेतु डॉ. अंजुम शर्मा (नई दिल्ली) को संगत' यूट्यूब शृंखला के लिए, अंग्रेजी श्रेणी मे डॉ. रवि दत्त बाजपेयी (रांची) एवं प्रो. स्वाति पाराशर (स्वीडन), बी. एल. मित्तल (कोलकाता), डॉ. मयंक मुरारी (रांची) एवं अचल प्रियदर्शी को सम्मानित किया जाएगा. पुस्तकों के चयन में जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार गणेश मेहता, संजय मिश्र, भवानंद झा, यूएन पाठक, जयप्रकाश राय, ब्रजभूषण सिंह, उदित अग्रवाल एवं आयोजन समिति की ओर से संदीप मुरारका एवं संतोष खेतान निर्णायक की भूमिका में रहे.

पद्म अलंकृत विभूतियों का होगा सम्मान

राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश के द्वारा समारोह में उन विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, जिनको पद्म सम्मान प्राप्त हुए हैं. इनमें भोपाल के भज्जू श्याम, राजस्थान के लक्ष्मण सिंह, सुंडाराम वर्मा, उत्तराखंड के अनिल प्रकाश जोशी, ओडिशा की डॉ. दमयंती बेसरा, झारखंड से जमुना टुडू, चामी मुर्मू, जानुम सिंह सोय, प्रेमलता अग्रवाल, दीपिका कुमारी एवं छुटनी देवी शामिल हैं.

पंचायत' वेब सीरीज़ के विधायक जी भी आयेंगे

कार्यक्रम में लोकप्रिय 'पंचायत' वेब सीरीज़ के विधायक जी पंकज झा, फिल्म अभिनेता राजेश जैस, बिट्टू की मम्मी के रूप में ख्याति प्राप्त करने वाली अभिनेत्री सुनीता राजवार और प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अभिषेक चौबे विशेष सत्र में भाग लेंगे, जहाँ रंगमंच विशेषज्ञ डॉ. एम. के. पांडेय उनसे संवाद करेंगे.

प्रथम दिवस 20 दिसंबर के सत्रों के वक्ता होंगे

प्रथम दिवस 20 दिसंबर के सत्र में.म इंडिया टुडे के सह संपादक डॉ. अंजुम शर्मा से जमशेदपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्र डिजिटल साहित्य पर चर्चा करेंगे. सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर आयोजित सत्र में पुणे से आ रहे साहित्य अकादमी सम्मानित विख्यात हिंदी साहित्यकार डॉ. दामोदर ख?से से केंद्र सरकार के राजस्व विभाग के कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी निधि कुमार झा वार्ता करेंगे.

कालबेलिया नृत्य के संग होगा समापन

राजस्थान की विश्वविख्यात नृत्यांगना पद्मश्री गुलाबो सपेरा अपनी टीम के साथ कालबेलिया नृत्य की सम्मोहक प्रस्तुति देंगी. इसी मोहक प्रस्तुति के साथ जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 का भव्य समापन होगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में संदीप मुरारका, नीरज पाठक, माधव खंडेलवाल, अजय भालोटिया, मंटू अग्रवाल, कमल किशोर अग्रवाल, आशीष गुप्ता, आकाश मोदी, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, रोहित अग्रवाल, लाला मूनका, राहुल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, मोहित चौधरी इत्यादि सदस्य सक्रिय हैं.

'जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025' 20-21 दिसंबर को

- साहित्य, पत्रकारिता, संगीत और ओटीटी के सितारे उतरेंगे लौहनगरी की धरा पर
- देश के विभिन्न प्रांतों से 100 से अधिक लेखक, विचारक, पद्म अलंकृत विभूतियां, युवा नवप्रवर्तक एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे

[illegible]